फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in>

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 355 जनवरी 2018

और फिर अवमानना, तौहीन, कन्टेम्प्ट हो जाती है

कुछ दिन पहले व्हाट्सएप पर एक बहुत-ही सुन्दर कम्पलेन्ट की थकावट लिये मैसेज मिला। सन्देश बहुत-ही सुन्दर, विस्तार लिये, भावनायुक्त बढिया ढँग से पेश किया हुआ था।

किसके ऊपर था ? और, किस समय आया ?

दोपहर को आया था और दो-तीन चीजों के साथ बातचीत जुड़ी थी। मूल तौर पर क्रूर ढँग से काम निकालने के तरीकों पर था। और यह युवा वरकरों तथा आई टी आई छात्रों के अप्रेन्टिस होने पर था।

कम्पलेन्ट की थकावट क्यों बोल रही है ?

मैं इसलिये बोल रही हूँ कि बहुत-सारे कदम शिकायत करने के हैं। पहले सुपरवाइजर, फिर एच आर, फिर आई टी आई टीचर, फिर प्रिन्सिपल, फिर डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट को शिकायत, जैसे फरीदाबाद में हम डी सी को कम्पलेन्ट करते हैं।

और तेरा कहना यह है कि कम्पलेन्ट करते रहो और उससे थकावट ही बढती है।

मैं यह कुछ समझने की कोशिश कर रही हूँ कि अनुभव से देखा जाये तो कम्पलेन्ट काम नहीं करती। ज्यादातर शिकायतें नजरअन्दाज कर दी जाती हैं। यह आमतौर पर लोग जानते हैं। लेकिन साथ-साथ कम्पलेन्ट के रूप में ही अपनी तीखी टिप्पणी को ढालते हैं।

मुझे समझने दे। तू यह कह रही है कि हमें पता है कि शिकायत काम नहीं करती लेकिन फिर भी हम शिकायत के रूप में ही अपनी बात रखते हैं।

मेरे लिये यह पहेली है कि जो बहुत तीखे विचार रख सकते हैं वो बोलते और लिखते वक्त एक मुद्दई , एक वादी की तरह हो जाते हैं। जैसे कि कोई ख्याली न्यायालय में खड़े हैं , वहाँ बोल रहे हैं। उनकी सुनवाई होगी और न्याय होगा।

और तू कह रही है कि यह है वह एक जीवित आदत है जिसे जाँच में लाना होगा।

एक तरह से यह हर समय जाँच में है क्योंकि सुनवाई नहीं होना , न्याय नहीं होना आम चर्चा में है।

नहीं। यह कुछ और कह रही है। आम चर्चा में जरूर है कि कम्पलेन्ट से कुछ नहीं होता लेकिन यह जाँच में नहीं है। क्योंकि जब भी हम अपने विचार और आलोचना को रखने जाते हैं तब हम शिकायत-आवेदन को भाषा में गिर जाते हैं।

इस पहेली को कुछ सवालों में रखा जा सकता है। कम्पलेन्ट का हमारे जीवन में इतना बोलबाला क्यों है ? कम्पलेन्ट फेल होने पर कौनसी सोच इस फेल को समझाती है ? और , एक महत्वपूर्ण सवाल इससे जुड़ता है : कम्पलेन्ट , शिकायत , आवेदन कौनसी भाषा को उभरने नहीं देता ?

कुछ भाषायें हैं जो इसको चीर देती हैं। जैसे , पिछले हफ्ते कुछ हँसते हुये युवाओं के चेहरे अखबार में देखे। गौर से सुनिये, अखबार में देखा मैंने।

हा-हा ! गौर से सुन रहे हैं अखबार में देखा तूने। अब बता किसलिये ?

किसलिये ? उन्होंने वेतन में देरी पर टोल ब्रिज खोल दिया। कोई टोल नहीं लिया। चार घण्टे तक चली यह बात। और हँसते हुये अखबार में अपने को प्रस्तुत किया।

एक बात तो है। हँसते हुये , नाचते हुये चेहरे गड़बड़ा देते हैं।

ख्याली न्यायालय की अवमानना, तौहीन, कन्टेम्प्ट हो जाती है। उसका वजन गिर जाता है।

शायद इसी में सोच सुविधा क्षेत्र भाषा के बाहर जाती है।

सुविधा क्षेत्र भाषा ? अब यह क्या है ?

मैंने बोल तो दिया लेकिन इसको खोल कर कैसे बोलूँ। कुछ ऐसा है कि पदों के क्रम को जब हम स्थाई मान लेते हैं , अटूट मान लेते हैं और महन्तशाही को हावी रहने देते हैं तब हम कह सकते हैं कि हम सुविधा क्षेत्र की भाषा में हैं। इसमें एक टिप्पणी करना चाहूँगी कि तरेड़ बहुत हैं , रिसाव बहुत हैं लेकिन कुछेक साये हावी रहते हैं।

क्रूर बुद्धि साये को बहुत यूज करती है। अपनी जगह रहो। इससे ज्यादा टाइम नहीं मिलेगा तुम्हें। इन दोनों बातों को ठोकती रहती है।

लेकिन यह लाइनें टूटती रहती हैं।

रिपेयर करने वाले भागे-भागे आते हैं।

फिर भी टूटती रहती हैं।

कितनी टूटने पर रिपेयर वाले थक जायेंगे ?

कुछ फुर्सत में

✶ नोएडा में **दैनिक जागरण** से निकाले प्रिन्टिंग डिपार्ट वरकर ने विस्तार से चर्चा की।

केन्द्र सरकार द्वारा मीडिया के लिये बनाये वेज बोर्ड ने 2008 में अवार्ड दिया। इसके खिलाफ सब अखबार कम्पनियाँ हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट गई। हार गई। लेकिन लागू नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने फिर आदेश दिया। नया ग्रेड लागू करो और एरियर 4 किस्तों में दो। मीडिया कम्पनियों ने आदेश लागू करने का भरोसा सुप्रीम कोर्ट को दिया।

मोटा एरियर : एक-एक वरकर के बकाया 50-60 लाख रुपये। तनखा 14-15,000 देते रहे हैं जबकि वेज बोर्ड के अनुसार 52-55,000 रुपये होनी चाहिये।

जुलाई-अगस्त 2015 में कुछ वरकर दैनिक जागरण की नोएडा प्रेस (डी 210-211 सैक्टर-63) में मैनेजमेन्ट से बात करने गये। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने की बजाय कम्पनी 10-12 वरकरों का जम्मु, धर्मशाला आदि ट्रान्सफर करने लगी। इस पर रात साढे नौ बजे प्रैस में काम रोक दिया और रात 11-12 बजे चेयरमैन ने व्हाट्सएप किया, मेल भेजा कि किसी का ट्रान्सफर नहीं होगा।

2 अक्टूबर 2015 को जालन्धर, हिसार, लुधियाना, जम्मु, धर्मशाला, नोएडा से दैनिक जागरण के प्रैस वरकर तथा पत्रकार ड्युटी पर जाने की बजाय दिल्ली में जन्तर मन्तर पहुँचे। धरना दिया। प्रधान मंत्री को, राष्ट्रपति को ज्ञापन दिये।

3 अक्टूबर को अपने कार्यस्थलों पर पहुँचे तो ड्युटी पर नहीं लिये। नोएडा में धारा 144, बड़ी सँख्या में पुलिस तथा पी ए सी, दैनिक जागरण प्रैस के नजदीक जाने ही नहीं दिया। श्रम विभाग। निलम्बन-पत्र। आरोप-पत्र। घरेलु जाँच। मार्च-अप्रैल 2016 में दैनिक जागरण कम्पनी ने नोएडा के 189 और जालन्धर, हिसार, लुधियाना, जम्मु, धर्मशाला के करीब 150 वरकर डिसमिस कर दिये।

डिमाण्ड नोटिस। समझौता वार्ता। फेल। दैनिक जागरण का मुख्यालय दिल्ली में और नियुक्ति-पत्र दिल्ली से दिये गये थे करके केस दिल्ली में ले गये। श्रम आयुक्त, दिल्ली ने केस स्वीकार के आदेश दिये और विरोध में कम्पनी हाई कोर्ट चली गई।

दैनिक जागरण वरकरों की तरफ से दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट में अवमानना का केस डाला गया। दो महीने पहले आदेश दिया : 6 महीने में लेबर कोर्ट फैसला करे। इधर 14 दिसम्बर की तारीख में हाई कोर्ट ने वरकरों के नोएडा लेबर कोर्ट को केस भेजने के आवेदन को स्वीकार कर लिया। जल्दी के लिये केस दिल्ली किया था, एक साल गया।

कई अखबारों से वरकर निकाले गये हैं। और किसी भी अखबार ने, किसी भी टी वी चैनल ने बरखास्त दैनिक जागरण वरकरों की खबरें नहीं दी हैं।

✶**एम ए डिजाइन** (ए-41 सैक्टर-80, नोएडा फेज-2) मैटल पॉलिश फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 250 मजदूरों की कागज में दो शिफ्ट हैं। सुबह 8½ वालों से साँय 5 बजे पंच आउट के बाद पीस रेट पर काम करवाते हैं। दोपहर दो बजे की शिफ्ट वालों को सुबह 8½ बजे बुला लेते हैं और बिना पंच इन के काम करवाते हैं — 2 बजे ऐसे वरकरों का पंच इन होता है। स्टील पॉलिश में ताकत ज्यादा लगती है और भारी चोट का डर रहता है। ब्रास तथा अल्युमिनियम पॉलिश में ज्यादा टेढी-मेढी डिजाइन के कारण ज्यादा हाथ फँसते हैं। अधिक समय, 12-16 घण्टे लगातार काम, हैलपरों से ऑपरेटरों का काम करवाने, पीस रेट कम रखने से दो पैसे के लिये अधिक रफ्तार से काम करना — इन कारणों से एक्सीडेन्ट ज्यादा होते हैं। नवम्बर 2017 आरम्भ में दोपहर 2 बजे से शिफ्ट वाले हैल्पर से सुबह 8½ से पंच इन किये बिना पॉलिश करवा रहे थे, लन्च बाद सवा बजे पीस उछला, सिर लहुलुहान। साँय 5 बजे पंच आउट के बाद 24 नवम्बर को पीस रेट पर वरकर का रात पौने आठ बजे मशीन में हाथ फँसा, टूटा। हैल्पर 30 नवम्बर को साँय 5 बजे पंच आउट के बाद पीस रेट पर, रात साढे सात उँगली कटी। और, 2 दिसम्बर को फिनिशिंग में थिन्नर से एक हैल्पर बेहोश...... कम्पनी घायल मजदूरों को सूरजपुर में न्यू बालाजी अस्पताल ले जाती है और आमतौर पर एक्सीडेन्ट रिपोर्ट नहीं भरती। इधर सुपरवाइजरों की बदजुबानी काफी बढ गई है।

बातचीतें

✶आई एम टी मानेसर में : **गैलेक्सी एलेगेन्ट फैशन** (19-20 सैक्टर-7) फैक्ट्री में 800 मजदूरों की शिफ्ट सुबह साढे नौ बजे आरम्भ होती है पर छूटने का कोई टाइम नहीं है, आज 200 बन्दे साढे बीस घण्टे बाद सुबह 6 छूटे हैं और साढे तीन घण्टे बाद फिर ड्युटी....... **आदित्य डिस्पोमेड** (19 सैक्टर-6) फैक्ट्री में सर्जिकल ब्लेड बनाते 150 मजदूरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से.... **लाइफलाँग** (18 सैक्टर-5) फैक्ट्री में सीरिंज बनाते 400 वरकरों की 12-12 घण्टे की दो

(बाकी पेज तीन पर)

✶ बिहार के दरभंगा में आई टी आई कर फरीदाबाद में **न्यू एलनबरी** फैक्ट्री में अप्रेन्टिस और फिर 2006 से 2012 नौकरी। सी एन सी और वी एम सी की प्रोग्रामिंग सीखी। बावल में **सन्धार** फैक्ट्री में 2013 से अगस्त 2017 तक। इधर 48-49 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद की **ओसवाल इलेक्ट्रिकल** (भर्ती वर्धमान डाईकास्टर्स) में प्रोग्रामर-सुपरवाइजर-ऑपरेटर का काम कर रहा था। सुबह 8 से रात 8½ की ड्युटी, रात 10-11 तक रुकना पड़ जाता। तनखा 40 हजार रुपये, ओवर टाइम नहीं। दोपहर तीन बजे 12 सितम्बर 2017 को मशीन पर उँगली कटी। एक अस्पताल में 70 हजार बोले तो एच आर वाले दूसरे में ले गये, टाँके लगाये, 800 रुपये अपनी जेब से दिये। बाद में दे देंगे सुनते ज्यादा दिन हो गये तब एम डी से कहा तो साहब बोले कि एच आर वाले करेंगे। पट्टी के साथ ड्युटी करता रहा। चाची बीमार पर छुट्टी ले कर 22 नवम्बर को गाँव गया और लौट कर 4 दिसम्बर को ड्युटी पहुँचा तो एच आर वाले बोले अगले दिन आना। चक्कर कटवाये और 23 दिसम्बर को बोले कि रिजाइन दे दो। इस्तीफा देने से इनकार कर दिया....... गाँव से फोन आया है कि 26 दिसम्बर को पत्र पहुँचा है जिसमें फुल एण्ड फाइनल बैंक खाते में भेजने की सूचना है।

✶ बड़ी सँख्या में आई टी आई, डिप्लोमा, डिग्री वालों को **प्रिकोल** (34-35 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में दो वर्ष की ट्रेनिंग के नाम पर सरकार की कौशल विकास योजना के तहत रखते हैं। सिखाने के लिये आधी पेमेन्ट सरकार करती है पर प्रिकोल कम्पनी सिखाने की बजाय ट्रेनी से प्रोडक्शन लेती है। फैक्ट्री में जहाँ 40 मजदूर परमानेन्ट हैं वहीं एक हजार ट्रेनी हैं और मैनेजमेन्ट इनसे तीनों शिफ्टों में उत्पादन कार्य करवाती है। इन वरकरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। चोट लगने पर ट्रेनी को निकाल देते हैं। छुट्टी करने पर ट्रेनी को निकाल देते हैं। इन्हें बोनस नहीं। वाहनों के मीटर बनते हैं। आई टी आई को महीने के 9100 रुपये और पूर्ण उपस्थिति के 300 रुपये। डिप्लोमा तथा बी टेक को महीने के 9500 रुपये और पूरी उपस्थिति के 700 रुपये।

✶ दिल्ली में ओखला फेज-2 में ए-119 स्थित **एस के बेरी एण्ड ब्रदर्स** फैक्ट्री एशिया में इन्डस्ट्रीयल कटर बनाने वाली सबसे बड़ी है। केस चल रहा है कह कर 3.3.2017 से दिल्ली में लागू नया ग्रेड कम्पनी नहीं दे रही। इस पर इन 6-7 महीनों में प्रोडक्शन कम करना शुरू किया। मशीन पर जहाँ 10 लोड निकालते थे वहाँ अब 2 लोड निकालते हैं। मैनेजमेन्ट ने 20 वरकर बाहर किये हैं......

✶ फरीदाबाद में सैक्टर-6 में प्लॉट 37 में **ओरियन्ट इलेक्ट्रिक** की पाउडर वाली और पेन्ट वाली 35-40 क्वालिटी की पँखों की ब्लेड बनती हैं। नामी इन्टरनेशनल कम्पनी है। नामी खिलाडी इसका एम्बेसडर है। और 8 घण्टे, 12 घण्टे, 16 घण्टे ड्युटी में कम्पनी एक चाय भी नहीं देती। तीन सौ मजदूरों में शायद ही कोई परमानेन्ट होगा। ओवर टाइम डबल रेट से कहते हैं पर साल-भर से 15-20 वरकरों का ही ओवर टाइम लगता है। रात 11 बजे ड्युटी पहुँचे को माल की कमी, मशीन में प्रोब्लम पर वापस भेज देते हैं और उस दिन की दिहाड़ी नहीं देते। बन्दे छोड़ते रहते हैं। चौक से लोगों को लाते हैं और फिर भी कम पड़ने पर जबरन 16 घण्टे रोकते हैं......

मस्ती में शक्ति

✶ ग्रेटर नोएडा में **भगत क्रेन्स** (साइट सी, सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र) कम्पनी ने 15-16 वरकरों को बगैर हिसाब दिये बाहर कर दिया। मजदूर ईकोटेक पुलिस थाना गये। पुलिसवाला : " हिसाब दिला दूँगा लेकिन सबसे हजार-हजार रुपये लूँगा।" पुलिसवाला कम्पनी गया और लिफाफा ले कर निकल गया। पूछते-पूछते हम सूरजपुर से आगे कोर्ट पहुँचे जहाँ एक मीडिया वाला मिला। वह भी कम्पनी से बाहर निकल कर बोला : "अभी दो मिनट में आया।" और जेब में लिफाफा दबा कर फरार।

कम्पनी गेट के बाहर हम सब मिल कर नारे लगाने लगे — " कम्पनी मुर्दाबाद!" — और मोबाइल पर वीडियो बनाने लगे। भीतर से एक खडूस सुपरवाइजर आया, " क्या कर रहे हो ?" " हम वीडियो बना कर इसे व्हाट्सएप और यू-ट्युब पर वायरल करने वाले हैं।" सुपरवाइजर : "नहीं! ऐसे तो कम्पनी की बहुत बदनामी होगी।" वरकर : "तो सीधे-सीधे हमारा पैसा दो।" सुपरवाइजर : "ठीक है। अगली पेमेन्ट के वक्त दे देंगे।" अगली पेमेन्ट के दौरान हम निकाले हुओं ने अपना हिसाब लिया।

✶ दिल्ली-फरीदाबाद बार्डर पर बदरपुर फ्लाई ओवर पर टोल टैक्स वसूलने के लिये 150 वरकर हैं। दो माह से वेतन और फरवरी से एरियर नहीं दिये जाने पर 28 दिसम्बर को इन मजदूरों ने टैक्स वसूलने से इनकार कर दिया। चार घण्टे फ्लाई ओवर टोल फ्री रहा। वरकर एक स्थान पर एकत्र हुये। मजदूरों के मस्त विरोध से तीन लाख का नुकसान। फरीदाबाद से पुलिस पहुँची। राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारी पहुँचे। तत्काल पट्टाधारक मैनेजमेन्ट को बुलाया। (हँसते हुये वरकरों की तस्वीर 29.12. 2017 के हिन्दुस्तान अखबार में समाचार के साथ)।

✶ **मंगोलिया/मैगनोलिया** (बी-60 होजरी कॉम्पलैक्स, ग्रेटर नोएडा) कम्पनी ने लन्च के घण्टे का ओवर टाइम सिंगल रेट से करने की बात की। हँगामा। मैनेजमेन्ट इस पर पीछे हट गई लेकिन तनखा 9319 रुपये से 9119 करने की बोली। सभी मजदूर काम रोक कर फ्लोर पर ग्रुपों में खड़े हो गये। लन्च के वक्त बाहर पार्क में सब वरकर जमा हो गये। तब मैनेजमेन्ट ने तनखा पुराने रेट से ही दी। घटाने की बात को जनवरी पर टाल दिया और नई भर्ती 9119 रुपये तनखा में करने लगी। पुराने और नये भर्ती ने आपस में चर्चायें की। पुराने और नये लाइनों में संग-संग होते हैं। मैनेजमेन्ट अब टारगेट 20 रखती है तो पुराने और नये वरकर मिल कर 15 पीस ही देते हैं।

बातचीतें .... (पेज दो का शेष)

शिफ्ट। ओवर टाइम सिंगल रेट से। पैसे बैंक में भेजते हैं, बहुत देरी से, नवम्बर के 22 दिसम्बर को भेजे ठेकेदार कम्पनी ने......मारुति और होण्डा में दिसम्बर में शट डाउन के समय सी-शिफ्ट में ड्युटी जाते कई वरकरों से रात 11 बजे के करीब बाइक सवारों ने कट्टा दिखा कर मोबाइल और पैसे छीने हैं.... **ऑटो डेकॉर** (469-70-71 सैक्टर-8) फैक्ट्री की बिजली काट दी गई है। ई एस आई राशि जमा नहीं की है। मार्च 2015 के बाद दो महीने की ही पी एफ राशि कम्पनी ने जमा की है। नवम्बर की तनखा 30 दिस्मबर तक नहीं दी है। फैक्ट्री बन्द होने के कगार पर....... **मोडर्न इलेक्ट्रोनिक्स** (115 सैक्टर-8) फैक्ट्री में 300 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट में। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30 दिन के मात्र 10,500 रुपये — ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर...... **एस के ऑटो** (233 सैक्टर-7) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। ओवर टाइम सिंगल रेट से। ई एस आई तथा पी एफ राशि काटते हैं पर दो वर्ष वालों को भी पी एफ नम्बर नहीं बताया है। ई एस आई का कच्चा कार्ड, एक्सपायर हो गया है कह कर दवाई नहीं देते। तनखा देरी से, नवम्बर की 30 दिसम्बर तक नहीं.....

✶ फरीदाबाद में : **राजषी स्टियरिंग** (3 सैक्टर-27 सी) फैक्ट्री में नवम्बर की तनखा 15 दिसम्बर तक नहीं देने पर परमानेन्ट तथा टेम्परेरी वरकरों ने ओवर टाइम करना बन्द कर दिया। टेम्परेरी को 27 तारीख को नकद दी और परमानेन्ट को 30 दिसम्बर को चेक दिये जिन पर तारीख 7 दिसम्बर थी...... **अभिराषि इम्पैक्स** (30/5 इन्डस्ट्रीयल एरिया) फैक्ट्री में 10 घण्टे ड्युटी के 240, 260, 300, 310, 330 रुपये......

साझेदारी

✶ आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— वीरवार, 1 फरवरी को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास बुधवार, 31 जनवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— शुक्रवार, 2 फरवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में जनवरी में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782
ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

मजदूर समाचार में योगदान

- ✶ अपने कदम और अपने साथियों के कदमों की जानकारियाँ सामुहिक करें।
- ✶ चर्चाओं में योगदान के लिये बाँटने वालों से प्रतियाँ ले जायें।
- ✶ फुर्सत मिले तो किसी भी रविवार को मजदूर लाइब्रेरी में आ कर विस्तार से जीवन चर्चा करें।
- ✶ आर्थिक सहयोग का मन हो तो जरूर दें। ज्यादा से ज्यादा छपने की क्षमता वाद-विवाद को फैलायेगी। इस योगदान में कोई भी राशि कम नहीं है।
- ✶ व्हाट्सएप पर खुल कर मैसेज भेजिये, हम जम कर पढ रहे हैं और बातों को फैला रहे हैं।
- ✶ आज मजदूर समाचार के पाठक अखबार में कविता, फलसफा, दर्शन, साहित्य और ज्ञान-चर्चा के विभिन्न रूप का आनन्द ले रहे हैं। आनन्द को उल्लास में बदलिये।

व्हाट्सएप—इन्टरनेट मजदूर..... (पेज चार का शेष)

तनखा में देरी की प्रोब्लम है। नवम्बर की सैलरी 14 दिसम्बर तक नहीं दी।

✶ मैनेजमेन्ट की 16.12.2017 की दिल्ली में ओखला फेज-1 में **वीयरवेल** फैक्ट्री में "आवश्क सूचना" : विगत 14 दिनों से अपना काम पूरी निष्ठा एवं तत्परता से नहीं कर रहे हैं। जानबूझकर GO SLOW । कम्पनी की उत्पादन क्षमता पर गम्भीर दुष्प्रभाव। ग्राहकों को माल समय पर नहीं भेज पा रहे। कम्पनी के सामने गम्भीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।

✶ **ज्योति एपरेल्स** (10 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में बहुत ज्यादा टारचर करते हैं। क्वालिटी मैनेजर है बहुत ज्यादा दबंग। बात-बात पर गाली देते हैं। कई लोगों को निकाल चुके हैं। ओवर टाइम टेलरों को डबल रेट से और बाकी वरकरों को सिंगल रेट से।

✶ मानेसर **होण्डा** फैक्ट्री वरकर ने कम्पनी का जनवरी 2018-मार्च 2019 का कैलेन्डर भेजा है।

हरियाणा सरकार से पूछें कि 1 जुलाई 2017 से देय महँगाई भत्ता (डी ए) कहाँ गया ?

मुख्य मन्त्री, हरियाणा < cm@hry.nic.in>
श्रम आयुक्त, हरियाणा < labour@hry.nic.in>

व्हाट्सएप–इन्टरनेट मजदूर

डायरेक्टर और मकान मालिक संवाद

(आई एम टी मानेसर से एक फैक्ट्री वरकर ने 30 दिसम्बर को रिकार्डिंग भेजी।)

डायरेक्टर : हैलो।

मजदूर : हाँ भैया लो। सर से बात कर लो।

मकान मालिक : हैलो।

डायरेक्टर : हैलो। हाँ जी। भाई साहब कौन बोल रहे हो ? नाम प्लीज।

मकान मालिक : भाई मैं सिंह बोल रहा हूँ।

डायरेक्टर : हाँ सिंह जी नमस्कार। मैं वहाँ से बोल रहा हूँ जहाँ यह कम्पनी में काम करता है।

मकान मालिक : भाई यह दो महीने से बोल रहा है आज, कल, परसों। लग रहा है दो महीने हो गये इसे।

डायरेक्टर : हाँ तो मेरे को आज इसकी कहानी पता चली है। दो महीने तो नहीं, एक महीने इसने मेरे काम किया है।

मकान मालिक : भाई इसने दो महीने से नहीं दिये हैं। बोल रहा है कम्पनी से मिल नहीं रहा है। कम्पनी में यह हो रहा है, वह हो रहा है सुना रहा है मेरे को।

डायरेक्टर : झूठ बोल रहा है आपको। दो महीने की नहीं इसकी मेरे पास। पिछले महीने काम किया और ये तीन-चार लड़के हैं जी। इन्होंने कर दिया माल-वुल खराब। तो हम जिस कम्पनी का करके देते हैं उसने हमारी पेमेन्ट रोक दी। तो आज कहानी पता चली। इसके तकरीबन तीनेक हजार और निकलते हैं मेरे पास। तो आप चाहे बुधवार आ जाना, पाँचेक हजार आपको ही दूँगा। इसको मैं पेमेन्ट नहीं दूँगा कोई भी। हेलो।

मकान मालिक : भाई मेरे पास इतना टाइम नहीं है भई कि मैं कम्पनी आऊँ।

डायरेक्टर : तो फिर मैं इसको बुधवार को दूँगा। पाँच आप ले लेना इससे।

मकान मालिक : भाई यार।

डायरेक्टर : हाँ जी।

मकान मालिक : ये....... डेढ महीने से घुमा रहा है। डेढ-दो महीने हो गये इसको घुमाते-घुमाते।

डायरेक्टर : ये गुरूजी झूठ बोल रहा है आपको।

मकान मालिक : कल मिल जायेगा। कल मिल जायेगा भाई साहब।

डायरेक्टर : दो महीने तो काम ही नहीं किया इसने। पिछले महीने किया और इन्होंने क्या किया, दो-तीन लड़कों ने ना सारा माल चुपचाप खराब कराके छुपा दिया और कम्पनी के माल में डाल दिया। उसका हमारे को नुकसान यह हो गया कि कम्पनी ने काम भी बन्द कर दिया और पेमेन्ट भी रोक दी।

मकान मालिक : नहीं-नहीं, मैं नहीं जानता इसका कुछ भी भई।

डायरेक्टर : नहीं। वो आपने लेना है।

मकान मालिक : मुझे चाहिये पेमेन्ट।

डायरेक्टर : देखो। मेरी बात.....

मकान मालिक : लास्ट तारीख दे रखी थी अभी तीन-चार दिन पहले 30 तारीख की।

डायरेक्टर : अच्छा।

मकान मालिक : हिसाब दूँगा पूरा।

डायरेक्टर : हाँ। ना-ना, वो मेरे को नहीं पता। मेरे को तो पहले यह कहते रहा कि पैसे दे दो, मैने बहन को देने हैं। या कुछ भी हो। तो बुधवार को मैं इसको पाँच दे दूँगा। बाकी आप जानो, यह जाने। और बताओ। मेरे को यह था कि आप हो इसलिये मैं बात कर रहा हूँ। यह न हो कि मैं इसको दूँ और कल को आपको न दे और आप कहो जी मेरे को मिले नहीं।

मकान मालिक : नहीं। यह तो मुझे पता है। आज 30 तारीख दे रखी थी इसने।

डायरेक्टर : अच्छा। नहीं यह इसने खुद ही दी थी। मुझे नहीं पता इसका।

मकान मालिक : .... लैपटॉप रख लिया उठा के इस वजह से।

डायरेक्टर : अच्छा-अच्छा। ठीक है।

मकान मालिक : इसका लैपटॉप भी नहीं दूँगा........

डायरेक्टर : कोई दिक्कत नहीं। मैंने तो देने ही हैं जी। मैं बता रहा हूँ आपको। वो आप ले लेना।

★नोएडा-ग्रेटर नोएडा से : – लेमन कम्पनी से 25 दिसम्बर को सारे लड़कों की छुट्टी कर दी गई और छुट्टी का कोई पैसा नहीं दिया जायेगा। बैटरी बनाने वाले लड़कों के ऊपर इतना दबाव बनाया कि 18 हजार डेली प्रोडक्शन की जगह 32 हजार एक दिन में प्रोडक्शन निकलवा लिया। जिन लड़कों से प्रोडक्शन नहीं निकला उनको एच आर डिपार्टमेंट में बुला कर रिजाइन लैटर लिखवा लिया। और एक ही दिन में बिना कारण बताये 4 लड़कों को मैनेजर ने कम्पनी से बाहर निकाल दिया। और जब वो सुपरवाइजर से बोले कि कुछ देख लो सर, हमारे भी घरबार है तो उसने साफ-साफ बोल दिया कि मैं इस मामले में तुम्हारी कोई सहायता नहीं कर सकता।

ग्रेटर नोएडा में प्राइवेट सैक्टर में कार्य करता हूँ और मजदूर समाचार भी पढता हूँ। अब वीवो मोबाइल कम्प्नी में। वैसे बहुत सारी कम्पनी में किसी न किसी माध्यम से कॉन्टेक्ट होता रहता है और जानकारी मिलती रहती है।

– रसन्दीक प्राइवेट लिमिटेड में जो सरकारी स्कूलों के माध्यम से आई टी आई कर रहे हैं उनको सरकार की तरफ एक साल में 7 सी. एल. और 10 इमरजैन्सी छुट्टी और स्पेशल छुट्टियों का प्रावधान है और 8 घण्टे कम्पनी में कार्य कराना ही मान्य है। पर इसके बिल्कुल विपरीत हो रहा है। कम्पनी लडकों को कार्य सिखाने की बजाय प्रोडक्शन का कार्य ले रही है और वो भी लगातार 12 घण्टे, पूरे 30 दिन कम्पनी में आना। अगर नहीं आओगे तो कम्पनी से निकाल दिये जाओगे की धमकी देते हैं सुपरवाइजर एवं मैंनेजर। जितने भी लड़के अप्रेन्टिस ट्रेनिंग ले रहे हैं वो सभी लड़के बहुत-ही दुखी हैं। इसकी वजह से उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत-ही बुरा असर हो रहा है। उन्होंने इस कार्य को ले कर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा सैक्टर-31, निठारी में कॉलेज के टीचार से भी सम्पर्क किया। उन्होंने भी बात को ये कह कर टाल दिया कि अब तुम्हारी कम्पनी का सवाल है, इसमें मैं कुछ नहीं कर सकता। लड़कों को आई टी आई में बोला जाता है कि कम्पनी बहुत अच्छी है और लड़कों को जिस कम्पनी में भेजा जाता है उन कम्पनियों में इन टीचर्स का कॉन्ट्रैक्ट होता है और वो कह देते हैं कि प्रोडक्शन लो। कम्पनी में हर महीने जाते हैं टीचर पर किसी भी लड़के से मिलते नहीं, एच आर डिपार्टमेंट में चाय के साथ बादाम और काजू मार कर चले आते हैं। यह अप्रेन्टिस करने वाले लड़कों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अतः आपसे मेरा निवेदन है कि इस खिलवाड़ को रोकने के सरकार की तरफ से प्रयास हों।

– जानकारी न. 3 अभी मार्च 2017 की बात है। आई टी आई की परीक्षा होने वाली थी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा सैक्टर-31, निठारी से जिन लडकों का परीक्षा के लिये आवेदन हुआ था उन सभी की जब प्रेक्टिकल की परीक्षा हुई तो सभी लड़कों से क्लर्क ने तीन-तीन हजार रुपये की माँग की और बोला गया कि नहीं तो फेल होगे, मेरी जिम्मेदारी नहीं होगी। परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की सँख्या 3500 से ऊपर थी। तो 3500 x 3000 = 10500000 रुपये का घोटाला हुआ। इस बात की शिकायत डी एम से लिखित रूप में भी दो दिन पहले की गई थी कि ऐसा होना है। तो डी एम ने इस पर बिना कार्यवाही किये बोल दिया कि मैं पहले भी ऐसे में कार्यवाही कर चुका हूँ, सारी फर्जी निकलती हैं। सबूत के तौर पर जिन लड़कों से पैसे लिये हैं वो सभी हैं और जिस कॉलेज में इनसे पैसे लिये वह कॉलेज सैक्टर-63, छिजारसी भवन के पास आई टी आई है।

★फरीदाबाद में सैक्टर-6 स्थित **गुप्ता एग्जिम** फैक्ट्री में 26 की बजाय 30 या 31 से भाग कर ओवर टाइम सिंगल रेट से भी कम देते हैं। तनखा देरी से और नवम्बर में किये ओवर टाइम के पैसे 27 दिसम्बर तक नहीं दिये थे।

★सेक्युरिटास इंडिया के **माइक्रोमैक्स** (मायापुरी, नरायणा, गुड़गाँव) में 60 गार्ड हैं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी, 30 दिन, कोई ऑफ नहीं पर महीने के 14, 700 रुपये।

★आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में प्लॉट 152, **अनु ऑटो** फैक्ट्री में एक वर्ष से

(बाकी पेज तीन पर)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी–551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।